नवोन्मेष

रुक्टा (राष्ट्रीय)

राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ (राष्ट्रीय)

website: www.ructarashtriya.org **Email:** info@ructarashtriya.org **Fax No.:** +91-8302542605

केन्द्रीय कार्यालय : देराश्री शिक्षक सदन, राजस्थान विश्वविद्यालय परिसर, जयपुर-302004

प्रधान कार्यालय : के. 52, कृष्णगंज, **अजमेर-305001**

दूरभाष : अध्यक्ष : डॉ. ग्यारसीलाल जाट, सीकर (01572) 245866, मो. 9414038866

महामंत्री : डॉ. मधुर मोहन रंगा, अजमेर (0145) 2429341, मो. 9414008425

परिपत्र क्रमांक : रुक्टा (रा.)/2011-12/05 **दिनांक: 15 अप्रेल 2012**

(सभी इकाई सचिवों एवं सक्रिय सदस्यों को समस्त सदस्यों में प्रसारित करने के अनुरोध सहित प्रेषित)

प्रिय महोदय/महोदया

सादर नमस्कार!

भारतीय वर्ष विक्रम संवत २०६९ आप सभी के लिए मंगलमय हो। गत परिपत्र के पश्चात् उच्च शिक्षा मंत्री, प्रमुख शासन सचिव, उच्च शिक्षा एवं अन्य अधिकारियों के साथ सम्पन्न बैठक, शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालयों को उच्च शिक्षा में शामिल करने के आदेश, अनुदानित महाविद्यालयों के कृषि संकाय के प्राध्यापकों के समायोजन संबंधी आदेश एवं अन्य विवरण सहित यह परिपत्र आप के सम्मुख है -

1. **उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. दयारामजी परमार से शिक्षकों की विभिन्न लम्बित समस्याओं पर चर्चा व ज्ञापन :-** 11 मार्च 2012 को संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. दयारामजी परमार से शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की, संगठन का दृष्टिकोण रखा व ज्ञापन दिया। प्रमुख मांगे निम्न प्रकार थी-विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अनुशंषाओं के आधार पर महाविद्यालय शिक्षकों के पदनाम परिवर्तन किये जाये, नवीन यू.जी.सी. वेतनमान में शेष रही 40 प्रतिशत एरियर राशि शीघ्र निर्गत की जाय, राज्य एवं राज्य के बाहर आयोजित सेमीनार, सम्मेलन एवं कार्यशाला में शोध पत्र वाचन हेतु शिक्षकों को अकादमिक अवकाश स्वीकृत करने का अधिकार प्राचार्य को दिया जाय, वरिष्ठ व चयनित वेतनमान में पूर्व/अन्यत्र सेवा का लाभ प्रदान किया जाय, महाविद्यालयों में यू.जी.सी. के नियमानुसार शिक्षक शिक्षार्थी अनुपात 1:60 रख जाय, सेवारत शिक्षकों को पीएच.डी. शोधकार्य करने हेतु कोर्स वर्क से मुक्त किया जाय, सेवानिवृत्त शिक्षकों की पेंशन पुन:निर्धारण नवीन यू.जी.सी. वेतनमानों के अनुसार किया जाय, अनुदान प्राप्त महाविद्यालयों के कृषि संकाय शिक्षकों का राजकीय सेवा में शीघ्र समायोजन किया जाय। 50वें प्रांतीय अधिवेशन में पारित प्रस्तावों पर कार्यवाही का आग्रह तथा विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों के मूल्यांकन का विरोध भी किया गया। मंत्रीजी ने प्रतिनिधि मंडल की बातों को गंभीरता से सुना एवं यथाशीघ्र इन पर कार्यवाही का मन्तव्य प्रकट किया।
2. **प्रमुख शासन सचिव उच्च शिक्षा से वार्ता :-** संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने 9 मार्च को प्रमुख शासन सचिव उच्च शिक्षा श्री राजीव स्वरूपजी से शासन सचिवालय में वार्ता कर शिक्षकों की विभिन्न लम्बित मांगों पर शीघ्र कार्यवाही करने का आग्रह किया। प्रमुख शासन सचिवजी ने सभी विषयों को सुन कर शीघ्र कार्यवाही का आश्वासन दिया। प्रतिनिधि मंडल में महामंत्री डॉ. मधुरमोहन रंगा, अध्यक्ष डॉ. ग्यारसीलाल जाट, संगठन मंत्री डॉ. दीपक शर्मा व सहसंगठन मंत्री डॉ. नंदसिंह नरुका सम्मिलित थे।
3. **उपशासन सचिव उच्च शिक्षा से शिक्षकों की समस्याओं पर चर्चा :-** संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने 9 मार्च 2012 को ही शासन सचिवालय में उपशासन सचिव श्री सलविन्द्रसिंहजी से महाविद्यालय व विश्वविद्यालय शिक्षकों की समस्याओं

पर विस्तार से चर्चा की व संगठन के दृष्टिकोण को स्पष्ट किया। उन्होंने सभी लम्बित समस्याओं को सुना व उचित कार्यवाही करने की मंशा प्रकट की। प्रतिनिधि मंडल में महामंत्री, अध्यक्ष, संगठन मंत्री व सहसंगठन मंत्री शामिल थे।

4. **शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों को उच्च शिक्षा में शामिल करने के आदेश :**- राज्य सरकार ने 17 फरवरी 2012 को बी.एड. व एम.एड. कॉलेजों को स्कूल शिक्षा से उच्च शिक्षा में शामिल करने के आदेश जारी किये हैं। उल्लेखनीय है कि संगठन लगातार शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों को उच्च शिक्षा में सम्मिलित करने की मांग कर रहा था। प्रांतीय अधिवेशन में पारित प्रस्तावों में भी संगठन ने सरकार से इस विषय पर कार्यवाही करने का आग्रह किया था।

5. **राज्य के महाविद्यालयों का निरीक्षण कनिष्ठ अधिकारियों द्वारा करने का विरोध :**- राज्य सरकार ने 28 मार्च को राज्य के विभिन्न महाविद्यालयों के शिक्षकों का आकस्मिक निरीक्षण प्रात: 10 बजे कराया। कई कनिष्ठ अधिकारियों ने प्राचार्य से उपस्थिति पंजिका लेकर उसमें क्रॉस लगा दिया या अनुपस्थित दर्ज कर दिया। संगठन ने इसका तीव्र विरोध करते हुए मुख्यमंत्री, उच्च शिक्षा मंत्री, मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव उच्च शिक्षा व शिक्षा निदेशक से आग्रह किया है कि इन दिनों सभी विश्वविद्यालयों की परीक्षाएं तीनों पारियों में चल रही है, प्राध्यापक निर्धारित समय से पूर्व महाविद्यालय में आते हैं व परीक्षा समाप्ति के पश्चात् महाविद्यालय छोड़ते हैं। महाविद्यालय के ठहराव आयुक्तालय व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार होता है। प्राचार्य अपने आप में विभागाध्यक्ष होता है, ऐसी स्थिति में कनिष्ठ अधिकारियों द्वारा महाविद्यालयों का निरीक्षण करवाना उचित नहीं है। संगठन निरीक्षण का विरोध नहीं करता है परन्तु आग्रह करता है कि निदेशालय के सक्षम व वरिष्ठ निरीक्षण अधिकारी द्वारा ही कराया जाय।

6. **अनुदान प्राप्त कृषि संकाय के प्राध्यापकों के समायोजन के आदेश जारी :**- राजस्थान स्वच्छेया ग्रामीण सेवा नियम के अन्तर्गत राज्य सरकार के आदेश क्रमांक एफ 24( ) लेखा ए/अनु/निकाशि/RVRES/कृषि/11-12/146 दिनांक 19-3-2012 के द्वारा राज्य के अनुदान प्राप्त महाविद्यालयों के कृषि संकाय के 19 प्राध्यापकों को राज्य सेवा में समायोजित करते हुए अभिमुखीकरण कोर्स के आदेश जारी किये। उल्लेखनीय है कि संगठन लगातार अनुदान प्राप्त महाविद्यालयों के कृषि संकाय शिक्षकों के राजकीय सेवा में समायोजन की मांग कर रहा था।

7. **अनुदान प्राप्त महाविद्यालयों के पुस्तकालयाध्यक्षों व शारीरिक शिक्षा अनुदेशकों को कॅरियर एडवान्समेंट योजना का लाभ :**- राज्य सरकार ने आदेश क्रमांक एफ.1(5)शिक्षा-4/2010 दिनांक 27-2-12 के तहत, अनुदान प्राप्त महाविद्यालयों के पुस्तकालयाध्यक्षों व शारीरिक शिक्षा अनुदेशकों को कॅरियर एडवांसमेंट योजना के लाभ के आदेश प्रसारित किये है। अब इन्हें राजकीय महाविद्यालयों में कार्यरत पुस्तकालयाध्यक्षों व शारीरिक शिक्षा अनुदेशकों के समान वरिष्ठ व चयनित वेतनमान प्राप्त होंगें। यह आदेश राज्य सरकार ने यू.जी.सी. के आदेश क्रमांक एफ-3-1/94 (पी एस)-7 दि० 19-10-2006 के संदर्भ में जारी किया है। संगठन ने कॅरियर एडवांसमेंट के विषय पर लगातार सरकार को पत्र लिखे व वार्ता की।

8. **नवसंवत्सर पर शैक्षिक संगोष्ठी सम्पन्न :**- अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के तत्त्वावधान में राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ राष्ट्रीय व राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय की अजमेर ईकाइयों द्वारा नवसंवत्सर विक्रम संवत २०६९ के अवसर पर शैक्षिक संगोष्ठी **''वैश्विक एवं वैज्ञानिक कालगणना''** विषय पर आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यवक्ता डॉ. श्यामसुन्दर भट्ट व कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल ने भारत माता के चित्र व माँ सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्पण कर किया। रुक्टा (रा) के महामंत्री डॉ. मधुरमोहन रंगा ने अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ का परिचय कराते हुए कहा कि महासंघ का ध्येय वाक्य राष्ट्र के हित में शिक्षा, शिक्षा के हित में शिक्षक व शिक्षक के हित में समाज है। संगठन की अवधारणा वसुधैव कुटुम्बकम व कृण्वन्तो विश्व मार्यम् है, प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा क्षेत्र में कार्यरत यह एक मात्र संगठन हैं जो सामाजिक सरोकार के कार्यक्रमों के साथ वैचारिक प्रबोधन के कार्य करता है। संगोष्ठी के मुख्यवक्ता डॉ. श्यामसुन्दर भट्ट ने कहा कि भारतीय काल गणना वैश्विक एवं वैज्ञानिक ही नहीं वरन् सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड के उद्भव से लेकर वर्तमान तक के चिंतन को समाहित करने वाली पद्धति है। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी कालगणना में सृष्टि की उत्पत्ति 5 हजार वर्ष बताई जाती है जबकि आज विश्व के वैज्ञानिक इस बात पर एक मत है कि पृथ्वी की आयु लगभग दो अरब वर्ष है, जो भारतीय

कालगणना के अनुसार है। उज्जैन के प्रसिद्ध महाकाल और जयपुर का गोविन्ददेवजी की प्रतिमा का एक विशिष्ट भौगोलिक स्थिति होने के कारण कालगणनात्मक महत्त्व है। हम सभी कार्य विक्रम संवत् के अनुसार कार्य करते हैं, तो फिर नव संवत्सर को मनाने में इतना संकोच क्यो?

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल ने कहा कि हमारी कालगणना वैज्ञानिक है व आज भी प्रासंगिक है। हमें हमारे प्राचीन गौरवपूर्ण इतिहास से शिक्षा लेनी चाहिये। हमें अपने पुरातन मूल्यों को भूलना नहीं चाहिये। इससे पूर्व राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) के जिला अध्यक्ष श्री बिरदीचन्द वैष्णव व रुक्टा (रा) के महामंत्री ने आगंतुकों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन श्री दीपेन्द्रसिंह राठौड़ ने किया व धन्यवाद राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के जिला मंत्री श्री रामसिंह धाबाई ने दिया। कार्यक्रम में पूर्व प्राचार्य डॉ. शेरसिंह दौचानिया, विधि महाविद्यालय अजमेर के प्राचार्य डॉ. राधेश्याम अग्रवाल सहित अजमेर के प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

9. **अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न :-** अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक 26-27 फरवरी 2012 को कर्णावती गुजरात में सम्पन्न हुई। दो दिवसीय बैठक में 18 राज्यों से आये शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने संगठनों का वृत प्रस्तुत किया व गत राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक की कार्यवाही व राष्ट्रीय साधारण सभा की बैठक की कार्यवाही का अनुमोदन किया गया। उच्च शिक्षा संवर्ग के कार्यक्रमों की समीक्षा, शिक्षकों की समस्याओं पर विचार, रजत जयंती वर्ष की चर्चा एवं योजना व आगामी कार्यक्रमों की योजना के बारे में मंथन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह सम्पर्क प्रमुख श्री अनिरुद्ध देशपाण्डे जी, इतिहास संकलन समिति के श्री हरिभाऊ जी, महासंघ के मार्गदर्शक प्रो. के. नरहरीजी व सहसंगठन मंत्री श्री ओमपालसिंह जी का मार्गदर्शन रहा। राजस्थान से रूक्टा (रा) के अध्यक्ष, महामंत्री व संगठन मंत्री ने बैठक में भाग लिया।

10. **ग्रामीण शिक्षा सेवा नियम 2010 के अन्तर्गत आवेदन पत्र प्रस्तुत नहीं करने वाले प्राध्यापकों के वेतन के संबंध में आग्रह :-** राज्य सरकार ने ग्रामीण सेवा नियम 2010 के अन्तर्गत अनुदान प्राप्त महाविद्यालयों के शिक्षकों से एफ24( )अनु/आकाशि/स्व. ग्रा. शि.से./2011/3493 दिनांक 2-2-2011 के तहत आवेदन पत्र भरवाये थे। कुल 781 प्राध्यापकों ने विकल्प पत्र प्रस्तुत किये परन्तु 80 प्राध्यापकों ने विकल्प पत्र नहीं भरे थे। संगठन को प्राप्त जानकारी के अनुसार इन शिक्षकों को महाविद्यालय प्रशासन पूरा वेतन नहीं दे रहा है। संगठन ने सरकार से आग्रह किया है कि इन महाविद्यालयों को अनुदान नियमों के अन्तर्गत अनुदान जारी करें ताकि इन शिक्षकों को सम्मानजनक वेतन प्राप्त हो सके।

11. **विश्वविद्यालय की प्रायोगिक परीक्षा में परीक्षकों को कर्त्तव्य पर माना जाय :-** राज्य सरकार द्वारा क्रमांक एफ 8(मा.शि. बोर्ड) अकाद/निकाशि/09/24 दि० 3 फरवरी 2012 को जारी आदेश के तहत माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर की परीक्षा 2012 में प्रायोगिक परीक्षा, उड़नदस्तों व माइक्रोआब्जर्वर का कार्य सम्पादित करने वाले कॉलेज व्याख्याताओं को कर्त्तव्य पर माना गया है। संगठन ने सरकार से आग्रह किया है कि राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों में प्रायोगिक परीक्षा सम्पादित कराने वाले कॉलेज शिक्षकों को भी कर्त्तव्य पर माना जाय। इस संबंध में संगठन ने प्रमुख शासन सचिव उच्च शिक्षा व निदेशक कॉलेज शिक्षा को पत्र लिख कर संशोधित आदेश जारी करने का आग्रह किया है।

12. **50वें प्रांतीय अधिवेशन में पारित प्रस्तावों पर कार्यवाही का आग्रह :-** संगठन के 50वें प्रांतीय अधिवेशन में पारित प्रस्तावों पर कार्यवाही के लिए मानव संसाधन विकास मंत्री, अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, मुख्यमंत्री, उच्च शिक्षा मंत्री, प्रमुख शासन सचिव, उच्च शिक्षा व निदेशक कॉलेज शिक्षा को प्रस्तावों की प्रति प्रेषित कर अविलम्ब कार्यवाही करने का आग्रह किया है।

13. **शैक्षिक महासंघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक हिमाचल प्रदेश में :-** अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक 2 व 3 जून को कूल्लू हिमाचल प्रदेश में सम्पन्न होगी। इसमें सम्पूर्ण देश के प्रतिनिधि संगठनों के पदाधिकारी भाग लेंगे।

14. **अधिवेशन स्मारिका व शैक्षिक मंथन की प्रति भेंट :-** संगठन के पदाधिकारियों ने 50वें स्वर्ण जयंती अधिवेशन पर प्रकाशित स्मारिका व शैक्षिक महासंघ की मासिक पत्रिका शैक्षिक मंथन की प्रति प्रमुख शासन सचिव उच्च शिक्षा व उपशासन सचिव उच्च शिक्षा को भेंट की।

15. **जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलपति का स्वागत :-** प्रो. बी. एस. राजपुरोहित द्वारा जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के कुलपति का कार्यभार ग्रहण करने पर संगठन ने उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की है व आशा व्यक्त की है कि उनके कार्य काल में उच्च शिक्षा में नये आयाम स्थापित होंगे।

16. **श्री जैन तेरापंथ महाविद्यालय राणावास पाली के शिक्षकों का राजकीय सेवा में समायोजन का आग्रह** - रूक्टा (रा) ने श्री जैन तेरापंथ महाविद्यालय राणावास पाली के चार व्याख्याताओं को राजस्थान स्वेच्छया ग्रामीण शिक्षण सेवा नियम 2010 के तहत राजकीय सेवा में समायोजन हेतु विकल्प पत्र प्रेषित करने पर शीघ्र कार्यवाही करने का राज्य सरकार से आग्रह किया है। इस संबंध में संगठन ने उच्च शिक्षामंत्री, प्रमुख शासन सचिव उच्च शिक्षा एवं निदेशक कॉलेज शिक्षा को पत्र प्रेषित किये हैं।

17. **नवसंवत्सर समारोह पूर्वक मनाया गया** - राज्य के अधिकांश महाविद्यालयों में रुक्टा (रा) की ईकाईयों ने नवसंवत्सर समारोह पूर्वक चैत्र शुक्ल १ विक्रम संवत २०६९ तदनुसार 21 मार्च 2012 को मनाया गया। रुक्टा (रा) के सदस्यों ने नववर्ष की शुभकामनाएं एक-दूसरे एवं समाज को प्रेषित करते हुए समष्टि के कल्याण का संकल्प लिया। प्रात: काल मिश्री, काली मिर्च व नीम की कोपलों का प्रशाद वितरित किया गया।

18. **अम्बेडकर जयंती पर कार्यक्रम सम्पन्न** - 14 अप्रेल को डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती पर रूक्टा (रा) की ईकाईयों द्वारा बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके बताये आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया गया।

19. **सदस्यता वर्ष 2011-12 की अब तक प्राप्त सदस्यता इस प्रकार है** - राजकीय महाविद्यालय अजमेर 163, कन्या अजमेर 16, आर. आर. अलवर 85, कला अलवर 30, विधि अलवर 05, कन्या अलवर 83, आबूरोड़ 07, सनातन ब्यावर 38, बीबी रानी 05, बहरोड़ 17, एम. एल. बी. भीलवाड़ा 65, कन्या भीलवाड़ा 37, डूगर बीकानेर 101, कन्या बाड़मेर 01, बारां 28, कन्या बारां 06, बासंवाड़ा 36, महारानी श्रीजया भरतपुर 121, कन्या भरतपुर 38, बयाना 07, बून्दी 54, कन्या बून्दी 06, बादीकुई 14, भीनमाल 04, भोपालगढ़ 03, लोहिया चूरू 58, विधि चूरु 02, चित्तौड़गढ़ 34, कन्या चित्तौड़गढ़ 09, कन्या चौमू 01, चिमनपुरा शाहपुरा 08, डीग 20, डूगरपुर 27, कन्या डुगरपुर 10, धौलपुर 37, दौसा 73, कन्या दौसा 5, बागड़ डीडवाना 12, देवली 05, गंगापुर 31, हिण्डौनसिटी 01, जालौर 09, कन्या जालौर 02, जैसलमेर 01, जैतारण 01, कन्या झुंझुंनु 09, झुंझुंनु 13, राजस्थान स्कूल आफ आर्ट 10, झालावाड़ 30, कन्या झालावाड़ 01, किशनगढ़ 40, केकड़ी 05, कुशलगढ़ 01, खेतड़ी 29, खैरवाड़ा 13, कालाडेरा 07, कोटपूतली 51, करौली 35, कोटा 97, वाणिज्य कोटा 29, कन्या महाविद्यालय कोटा 32, लालसोट 02, माण्डलगढ़ 02, मालपुरा 11, नसीराबाद 16, नोखा 11, निम्बाहेड़ा 01, नागौर 06, नाथद्वारा 38, कन्या नाथद्वारा 11, नीमकाथाना 04, पाली 41, राजगढ़ 21, रतनगढ़ 12, सुजानगढ़ 05, सरदारशहर 18, सोजत 07, साँभरलेक 19, शाहपुरा (जयपुर) 11, श्रीगंगानगर 08, सार्दुल शहर 02, सिरोही 27, विधि सिरोही 01, शिवगंज 04, एस. के. सीकर 112, विधि सीकर 04, सवाईमाधोपुर 31, कन्या सवाईमाधोपुर 04, तारानगर 10, थानागाजी 16, टौंक 45, मीराकन्या उदयपुर 31, उनियारा 01, निदेशालय 01, दयानंद अजमेर 03, विदेही कौर कन्या भरतपुर 06, दयानंद एस. एस.जी. झुंझुंनु 12, अग्रवाल आगरा रोड़ जयपुर 14, खण्डेलवाल वैश्य जयपुर 16, अकलंक कन्या कोटा 02, मोदी कोटा 04, पोद्दार नवलगढ़ 17, मोहता सादुलपुर 04, बी. आर. गोदारा कन्या गंगानगर 02, खालसा गंगानगर 10, बिहानी एस.डी. गंगानगर 02, जी.एल. गंगानगर 01, गुरुनानक कन्या उदयपुर 14, श्रमजीवी उदयपुर 01, हरिभाऊ उपाध्याय अजमेर 01, केशव विद्यापीठ जयपुर 15, जयनारायण व्यास वि. वि. जोधपुर 13, राज. विश्वविद्यालय 02, महावीर खुला वि. वि. कोटा 01, कोटा वि. वि. कोटा 06, सुखाड़िया वि. वि. उदयपुर 04। **कुल - 2401**। वर्ष 9-10 की 01, वर्ष 10-11 की 21 व आजीवन सदस्यता 03 प्राप्त हुई। सभी ईकाई सचिवों व सक्रिय कार्यकर्त्ताओं से आग्रह है कि एकत्रित सदस्यता राशि शीघ्र महामंत्री को प्रेषित करें।

भवदीय

(डॉ. मधुरमोहन रंगा)
[महामंत्री रुक्टा (रा.)]

के. 52
कृष्ण गंज, अजमेर-305 001 (राज.)